

GET THE BETTER OF

- GET THE BETTER OF : (1) परिभवति : v. To overcome ; (2) आवर्जयति : v. To bend.
- GET BEYOND : अतिक्राम्यति (क्रम्, c. 4.) : v. To go beyond.
- GET CLEAR OF : (1) निर्मोचयति (मुच, c. 10.) v. To release ; (2) उन्मज्जति (मज्ज्, c. 1.) : v. To emerge.
- GET DOWN : I. Intrans : (I) अवतरति (तृ, c. 1.) ; (2) अवरोहति (रुह्, c. 1.). II. Trans. : (1) अवतारयति (c. of तृ), V. i. ; (2) अवरोहयति (c. of रुह्), R. i. 54.
- GET HOLD OF : प्राप्नोति (= to get : q.v.) : v. Also to seize.
- GET IN (v.) : I. To enter : q.v. : प्रविशति (विश्, c. 6.) : v. Also to get into. II. To collect : q.v. : समाहरति (ह्, c. 1.).
- GET INTO : Ph. : to g. into a carriage : प्रवहणम् आरोहति or अधिरोहति (रुह्, c. 1.), Mr. or अध्यास्ते (आस्, c. 1.), R. vi. 10. ; he himself helped Damayanti in g.ing into the car : रथे स भैमी स्वयमध्यरुहत्, N. xvi. 114. ; to g. into debt : ऋणग्रस्तः (स्ता, स्तं) भवति.
- GET OFF : I. Trans. : v. To extricate. II. Intrans : (a) to escape : q.v. : अपसरति ; (b) to be acquitted : perh. निःसरति ; मुक्तः (क्त, कं) भवति. II. To alight : q.v.
- GET ON : expr. by वर्तते (वृत्, c. 1.).
- GET OUT : I. To go out : अपैति (इ, c. 2.). II. To leave : मुञ्चति (मुच्, c. 6.), त्यजति (त्यज्, c. 1.), etc., g. o. of bed : शय्यां मुञ्च, R. ; g. ting out of temper : विहाय धैर्यम्, B. xii. 76.
- GET READY : सज्जीकरोति, -कुरुते : v. To prepare.
- GET RID OF : (1) आत्मानं मोचयति (मुच्, c. 10.) (with abl.) (to disengage oneself) ; (2) दूरीकरोति (= to remove).
- GET THROUGH : I. To complete : q.v. : समापयति (c. of आप्). II. To traverse, arrive : q.v.
- GET TOGETHER : समाहरति : v. To assemble, bring together.
- GET UP : I. From a seat : उत्-तिष्ठति, अभ्युत्- (स्था, c. 1.), got up from the seat : पीठादुदतिष्ठत्, Si. II. From bed : उत्तिष्ठति, g.g. a thief is gone

- out: उत्तिष्ठ, उत्तिष्ठ, चौरो निष्क्रान्तः, Mr. iii. III. To prepare (as an oration) : सज्जीकरोति (?).
- GET UPON : आरोहति (रुह्, c. 1.) : v. To mount.
- GEWGAW : perh. अकिञ्चनः ; अकिञ्चित्करः (री, रं).
- GEYSER : सीतोत्सः (after सीताकुण्डः).
- GHASTLINESS : I. Lit. : भूतसरूपता. II. Pale-ness : विवर्णता. III. Dreadfulness : (1) करालता ; (2) विकटता.
- GHASTLY : I. Lit. : भूतसरूपः (पा, पं) ; शवस्येव (= as of a corpse), Mah. II. Pale, dismal : विवर्ण (f. र्णा), these (ghosts) with long g. bodies : एते विवर्णदीर्घदेहाः, Ma. v. 15. III. Horrible, dreadful : (1) करालः (ला, लं) ; (2) विकटः (टा, टं).
- GHAUT, GHAT : (1) तीरसोपानपथः, R. xvi. 56. ; (2) घट्टः (specially ferry-g.) ; (3) सोपानमार्गः and sim. comp.s. (where the sense is clear), Me. ii. 15.
- GHOST : I. The soul : q.v. : आत्मन् (m.). Ph. : the Holy G. : पुरुषोत्तमः : to give up the g. : देहं त्यजति. v. To die. II. An apparition : भूतः, a g. lives in this tree : एतस्मिन् पादपे कोऽपि भूतः प्रतिवसति, Ra. ii.
- GHOSTLY : I. Spiritual : q.v. II. Pertaining to ghosts : भूत- in comp.
- GHOUL : राक्षस (f. सी), Brahmin -g. : ब्रह्मराक्षसः.
- GIANT : I. A great man : महापुरुषः, "a g.'s strength" : अतिमानुषं बलम्. II. A titan : (1) दैत्यः ; (2) दानवः. G.'s causeway : *दानवबन्धः.
- GIANT (adj.) : बृहत्कायः (या, यं) : v. Also gigantic.
- GIANTESS : दानवी (may be applied also to g. females).
- GIBBER : अस्पष्टं जल्पति (जल्प्, c. 1.) : v. To chatter.
- GIBBERISH : (1) अस्पष्टजल्पितम् ; (2) किलकिलायितम् (like monkey's).
- GIBBET (subs.) : उद्धन्धनकाष्ठम् (?) ; वध्यकाष्ठम् (?).
- GIBBET (v.) : I. Lit. : वध्यकाष्ठं बध्नाति (बन्ध्, c. 9.) (?). II. Fig., to brand : अङ्कयति. To g. a name : दुर्नामं प्रकाशयति (?).
- GIBBOUS : I. Crooked : q.v. : वक्रः (क्रा, क्रं). II. Hunched : q.v.